सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

वर्ष : 9
अंक : 103
अगस्त : 2018

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

8 | वाणी पर अंकुश लगाइए
9 | समसामयिकी घटना संग्रह
10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 | आर्थिक घटना संग्रह

- नीति आयोग के शासी परिषद् की बैठक का आयोजन
- सातवीं ओपेक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 2018
- ई-कचरा के शीर्ष उत्पादकों में भारत
- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा मिशन को शुरू करने का निर्णय

23 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- दुनियाभर में चौथा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया
- भारत का पहला आपदा जोखिम सूचकांक जारी
- सूरत को 'सिटी अवार्ड' के लिए चुना गया
- चार जिलों में मेडिकल कॉलेज की स्थापना को मंजूरी
- त्रिपुरा का राज्य फल अनन्नास घोषित किया गया

27 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- सेशेल्स राष्ट्रपति की भारत यात्रा में 6 एमओयू पर हस्ताक्षर
- भारत के प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर की यात्रा
- भारत के राष्ट्रपति की ग्रीस, सूरीनाम और क्यूबा की यात्रा सम्पन्न

31 | खेल खिलाड़ी

- भारत-अफगानिस्तान टेस्ट शृंखला-2018 में भारत ने दर्ज की जीत
- मिताली टी-20 में 2000 रन बनाने वाली पहली भारतीय बनीं
- चेन्नई सुपरकिंग्स ने रिकॉर्ड तीसरा आईपीएल खिताब अपने नाम किया

35 | विज्ञान समाचार
37 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

41 | **सामयिक लेख**—सुशासन : चुनौतियाँ एवं समाधान
43 | **कृषि लेख**—ऋणग्रस्त किसानों की समस्याओं का समाधान
44 | **पर्यावरणीय लेख**—पर्यावरण तथा जैव-विविधता के लिए परेशानी का सबब बनता प्लास्टिक
46 | **अन्तर्राष्ट्रीय समझौता लेख**—अमरीका का ईरान परमाणु समझौते से अलग होने के फलितार्थ
78 | **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**
79 | **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-100 का परिणाम**
81 | **रोजगार अवसर**
82 | **समसामयिक घटनाएं**

हल प्रश्न-पत्र

47 | **मध्य प्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा आयोजित जेल विभाग, कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं राज्य वन विकास निगम लि., भोपाल संयुक्त भर्ती परीक्षा, 2017**
52 | **आगामी रेलवे भर्ती बोर्ड ग्रुप 'डी' कम्प्यूटर आधारित परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न**
60 | **आगामी रेलवे भर्ती बोर्ड सहायक लोको पायलट/तकनीशियन भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न**
64 | **हरियाणा पुलिस कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न**
70 | **राजस्थान पुलिस कॉंस्टेबिल सामान्य/चालक/बैण्ड/घुड़सवार/श्वान दल एवं ऑपरेटर पदों की भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न**
76 | **बिहार पुलिस सिपाही/अग्निक पदों की भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न**

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2303340
मो– 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता– 700 003 (W.B.)
फोन– 033-25551510

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) फोन– 040-24557283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

➲ **इन्दौर**
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मंदिर के निकट
मलहारगंज
इन्दौर– 452 002 (म.प्र.)
फोन– 9203908088

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

➲ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
फोन– 0712-6564222
मो– 09370877776

वाणी पर अंकुश लगाइए

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

"Know your Powers. The power of your words, your silence, your mind, your body language and your body itself control them."

वाणी मनुष्य जाति का वह वरदान है, जिसके माध्यम से वह अपने को, अपने विचारों एवं भावों को व्यक्त करने में समर्थ होता है. हम सामान्यतः यह मानते आए हैं कि वाणी एवं भाषा का वरदान केवल मानव को ही प्राप्त है, परन्तु वैज्ञानिक शोधों ने अब यह प्रमाणित कर दिया है कि अन्य जीवधारी भी पशु जगत एवं वनस्पति जगत भी वाणी के वरदान से वंचित नहीं हैं. वे भी परस्पर कहने-सुनने की प्रक्रिया अपनाते रहते हैं. यह दूसरी बात है कि हम उनकी वाणी न समझते हों. गोस्वामी तुलसीदास का यह कथन निरर्थक न होकर पक्षियों के इस वरदान की ओर इंगित करता है—खग समुझै खग ही की भाषा। अस्तु।

वाणी मनुष्य का अधिकार है— केवल बोलना ही नहीं, बल्कि स्वतन्त्रापूर्वक बोलना मानव का मौलिक अधिकार है. वाणी की स्वतंत्रता को समस्त देशों में संवैधानिक मान्यता प्राप्त है, परन्तु आजकल हम देखते हैं कि वाणी की स्वतंत्रता को उसने वाणी की उच्छृंखलता की सीमा तक पहुँचा दिया है. कुछ ऐसा प्रचलन हो गया है कि व्यक्ति जो भी चाहता है कहता रहता है और वह यह विचार करना आवश्यक नहीं समझता है कि वह क्या कर रहा है, मैं स्वतंत्रता की सीमाओं का उल्लंघन तो नहीं कर रहा हूँ, मैं जो कुछ कह रहा हूँ, वह तथ्यों से परे तो नहीं है, मैं अपने कथन के अनुसार कार्य कर सकूँगा अथवा नहीं आदि. हमारे राजनेता वाणी पर किसी प्रकार का नियंत्रण न रखने के सर्वाधिक दोषी हैं. आप आए दिन देख सकते हैं कि वे लोग विधान सभाओं में तथा लोक सभा में किस प्रकार अपनी बात कहते हैं. इस प्रकार के व्यवहार द्वारा हमारे कर्णधार, हमारे भावी कर्णधारों, युवावर्ग को क्या सिखा रहे हैं तथा इस प्रकार की वाणी का दुरुपयोग सम्भवतः पशु-पक्षी भी नहीं करते होंगे.

शास्त्र का कथन है कि—

'सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात्, न ब्रूयात् सत्यमप्रियम्'।
नासत्यं च प्रिय ब्रूयात् एष धर्मः सनातनः॥

सत्य और प्रिय बोलना चाहिए, परन्तु अप्रिय सत्य नहीं बोलना चाहिए और प्रिय असत्य भी नहीं बोलना चाहिए यही सनातन धर्म है. तात्पर्य यह है कि प्रिय कथन वाणी की सार्थकता है. प्रमाण यह है कि प्रिय वाणी सब सुनना चाहते हैं. अप्रिय बोलते समय हम कितने भी तर्क दे सकते हैं, परन्तु अप्रिय वाणी सुनते समय हमारे पास एक भी तर्क नहीं होता है. प्रकृति भी चाहती है कि हम वाणी का प्रयोग प्रिय कथन हेतु करें—

कागा काको धन हरै, कोयल काको देय।
मीठे वचन सुनाइ के, जग अपनो कर लेइ।